

हे हमारे पिता,

तू जो स्वर्ग में है,

तेरा नाम पवित्र माना जाए ।

तेरा राज्य आए ।

तेरी इच्छा जैसे स्वर्ग में पूरी होती है,

वैसे पृथ्वी पर भी हो ।

हमारे दिन भर की रोटी आज हमें दे ।

और जिस प्रकार हमने अपने
अपराधियों को क्षमा किया है

वैसे ही तू भी
हमारे अपराधों को क्षमा कर ।

और हमें परीक्षा में न ला,
परंतु बुराई से बचा,

क्योंकि राज्य और महिमा
सदा तेरे ही हैं ।

(आमीन)